क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 88, सोमवार, 22 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अमित शाह ने गुजरात के साणंद में किया रोडशो, उमड़ा भारी जनसैलाब

अहमदाबाद। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने रविवार को साणंद नगर में रोडशो किया। शाह गुजरात में गांधीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। शाह ने अहमदाबाद के साणंद में विशेष तौर पर डिजाइन किए गए खुले वाहन से रोडशो शुरू किया। उनके साथ गुजरात भाजपा अध्यक्ष जीतू वाघाणी भी थे। साणंद गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आता है। साणंद विधानसभा क्षेत्र में काफी संख्या में क्षत्रिय और कोली मतदाता हैं। साणंद विधानसभा सीट से वर्तमान में भाजपा के कानू पटेल विधायक हैं जो कोली समुदाय से आते हैं। शाह का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक और स्थानीय लोग सड़क पर निकले थे। रोडशो से पहले शाह ने लोकसभा क्षेत्र के घाटलोदिया, बोडकदेव, थलतेज, वेजलपुर और सरखेज वार्ड के बूथ स्तर के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

जनता ने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया तो हटा भी सकती है : मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती ने रविवार को प्रधानमंत्री पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मोदी ने उप्र की 22 करोड़ जनता के साथ वादा खिलाफी की है। मायावती ने कहा कि जो जनता उन्हें प्रधानमंत्री बना सकती है, वह हटा भी सकती है जिसकी तैयारी दिखाई पड़ रही है। मायावती ने रविवार को अपने ट्विटर पर लिखा, श्री नरेन्द्र मोदी यूपी में घूम-घूम कर कह रहे हैं कि यूपी ने उन्हें देश का पीएम बनाया है, जो सही है लेकिन उन्होंने यूपी की 22 करोड़ जनता के साथ वादा खिलाफी व विश्वासघात क्यों किया? यूपी अगर उन्हें पीएम बना सकता है तो उन्हें उस पद से हटा भी सकता है जिसकी पूरी तैयारी दिखाई पड़ती है। इसके बाद उन्होंने दूसरा ट्वीट करते हुए कहा, पीएम श्री मोदी ने अपने मन की बात सुनकर मनमानी की व स्वार्थ के लिए अपनी जाति को पिछड़ा वर्ग घोषित कर दिया, किन्तु बीएसपी-सपा-आरएलडी ने जनता के मन की बात सुनी, समझी और उसका सम्मान करके व्यापक जनहित व देशहित हेतु आपस में गठबंधन किया जिससे जनता में उमंग है बीजेपी की बौखलाहट स्पष्ट है। आपस में गठबंधन किया जिससे जनता में उमंग है बीजेपी की बौखलाहट स्पष्ट है।

राजनाथ सिंह ने विद्यासागर के दर्शन किए

जबलपुर । लोकसभा चुनाव प्रचार के सिलसिले में मध्यप्रदेश आए केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने आज यहां दिगंबर जैन संत आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विशेष विमान से यहां डुमना हवाईअड्डा पहुंचे और चुनावी सभाओं में जाने के पहले तिलवाराघाट स्थित जैन मंदिर परिसर में आचार्यश्री के दर्शन किए। इसके बाद वे शहडोल, सतना और सीधी संसदीय क्षेत्र में चुनावी सभाएं लेने के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय गृह मंत्री के साथ जबलपुर केंद्रीय गृह मंत्री के साथ जबलपुर से भाजपा प्रत्याशी एवं प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह और पार्टी नेता भी मौजूद थे। सिंह का मुकाबला कांग्रेस के विवेक तन्खा से है।

श्रीलंका में अब तक का सबसे भयावह हमला, 8 धमाकों में 207 लोगों की मौत, करीब 500 घायल

श्रीलंका (एजेंसी)।

ईस्टर पर रविवार को हुए तीन चर्चों और लग्जरी होटलों में हुए बम धमाकों समेत रविवार को हुए आठ धमाकों में से कम से कम दो आत्मघाती बम धमाके थे जिनमें 207 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 500 अन्य घायल हो गए। इन धमाकों के साथ ही लिट्टे के साथ खूनी संघर्ष के खत्म होने के बाद करीब एक दशक से जारी शांति भी भंग हो गई। पुलिस प्रवक्ता रूवन गुनासेखरा ने बताया कि द्विपीय राष्ट्र में हुए सबसे खतरनाक हमलों में से एक, ये विस्फोट स्थानीय समयानुसार पौने नौ बजे ईस्टर प्रार्थना सभा के दौरान कोलंबो के सेंट एंथनी चर्च, पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो के सेंट सेबेस्टियन चर्च और बट्टिकलोवा के एक चर्च में हुए। वहीं अन्य तीन विस्फोट पांच सितारा होटलों - शंगरीला, द सिनामोन ग्रांड और द किंग्सबरी में हुए। अधिकारियों के मुताबिक सिनामोन ग्रांड होटल के रेस्तरां में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोट कर खुद को उड़ा दिया। श्रीलंका के आर्थिक सुधार एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री हर्षा डी सेल्वा ने बताया कि धमाकों में विदेशी नागरिकों सहित कई लोग हताहत हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा कि आठ धमाकों के बाद मरने वालों का आंकड़ा 207 है, जबकि इन धमाकों में 450 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन हमलों में दो चीनी नागरिकों समेत कम से कम 11 विदेशी भी मारे गए हैं। मृतकों में अमेरिकी और ब्रिटिश नागरिक भी हैं। कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉक्टर समिंदि समराकून ने बताया कि 300 से ज्यादा घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वहीं बट्टिकलोवा अस्पताल के प्रवक्ता डॉक्टर कलानिधि गणेशालिंघम ने बताया कि सेंट माइकल चर्च के 100 से ज्यादा घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया की खबर के मुताबिक धमाकों में घायल हुए लोगों में भारत, पाकिस्तान, अमेरिका, मोरक्को और बांग्लादेश के नागरिक भी बताए जा रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता रुवन गुनासेकरा ने कहा कि बाद में, राजधानी के दक्षिणी उपनगर में कोलंबो चिड़ियाघर के पास एक शक्तिशाली धमाका हुआ जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पुलिस की एक टीम ओरुगोदावट्टा क्षेत्र के एक घर में जब जांच के लिए गई तो वहां मौजूद एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस विस्फोट में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। रविवार को यहां आठ विस्फोट हो चुके हैं। स्थानीय टीवी की खबरों के मुताबिक चिड़ियाघर के पास हुए धमाके के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है और उससे पुलिस पूछताछ कर रही है। आठवें विस्फोट के तुरंत बाद सरकार ने तत्काल प्रभाव से कर्फ्यू लगा दिया। गुनासेखरा ने बताया कि यह कर्फ्यू अगले नोटिस तक प्रभावी रहेगा। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी समूह ने नहीं ली है। श्रीलंका में पूर्व में लिट्टे (एलटीटीई) ने कई हमले किए हैं। हालांकि 2009 में लिट्टे का खात्मा हो गया। राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। सिरिसेना ने कहा, मैं इस अप्रत्याशित घटना से सदमे में हूं। सुरक्षाबलों को सभी जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।÷ राजधानी में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अस्थायी रोक लगा दी है। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने इसे कायराना हमला बताते हुए कहा कि उनकी सरकार स्थिति को नियंत्रण÷ में करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया,मैं श्रीलंका के नागरिकों से दुख की इस घड़ी में एकजुट एवं मजबूत बने रहने की अपील करता हूं। सरकार स्थिति को काबू में करने के लिए तत्काल कदम उठा रही है। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने इन हमलों को नृशंस बताया है। राजपक्षे के कार्यकाल में ही श्रीलंका की सेना ने लिट्टे को कुचल दिया था। हर्षा डी सेल्वा ने बताया कि श्रीलंका सरकार ने आपात बैठक बुलाई है। सभी आवश्यक आपातकालीन कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, बेहद भयावह दृश्य, मैंने लोगों के शरीर के अंगों को इधर-उधर बिखरे देखा। आपातकालीन बल सभी जगह तैनात हैं। कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने ट्वीट किया, विस्फोट आज कोलंबो और बट्टिकलोवा में हुए। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। भारतीय नागरिक किसी भी तरह की सहायता, मदद और स्पष्टीकरण के लिए इन नंबरों पर फोन कर सकते हैं पहले धमाकों की खबर कोलंबो के सेंट एंटोनी चर्च और राजधानी के बाहर नेगोम्बो में सेंट सेबेस्टियन चर्च से आई। सेंट सेबेस्टियन चर्च के फेसबुक पेज पर अंग्रेजी में लिखी गई एक पोस्ट में कहा, हमारे चर्च में एक बम धमाका, अगर आपके परिजन वहां हैं तो कृपया आइये और मदद कीजिए।

बहुत लंबा नहीं चलेगा राहुल-केजरीवाल का साथ, आज के लिए गठबंधन बस एक मजबूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच दिल्ली में गठबंधन के लिए दो महीने से जारी कवायद अब तक अधूरी ही है। गठबंधन के पीछे आप की मजबूरी और कांग्रेस एवं भाजपा के नफा नुकसान पर, पेश हैं चुनावी विश्लेषण से जुड़ी शोध संस्था 'सीएसडीएस के निदेशक संजय कुमार से सवाल और उनके जवाब जवाब इतने लंबे समय से गठबंधन को लेकर चल रही खींचतान, चुनावी राजनीति के परिणाम के मद्देनजर, आप और कांग्रेस, दोनों के लिए बहुत खराब है। अगर उन्हें गठबंधन नहीं करना है तो शुरु में ही निर्णय कर लेना चाहिए था। इतनी खींचतान के बाद अगर गठबंधन हुआ भी तो इसका उतना फायदा आप और कांग्रेस नहीं उठा पाएगी जितना फायदा पहले गठबंधन करने से हो पाता। ऐसा करने से दोनों दलों को जनता के बीच इसे सही ठहराने के लिए पर्याप्त समय मिल पाता। जवाब मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में दोनों के लिए गठबंधन बहुत जरूरी है। भाजपा का लगभग 44 प्रतिशत वोटबैंक बरकरार है और त्रिकोणीय मुकाबले में उसे सीधा फायदा मिलना तय है। भाजपा को हराने के लिए आप और कांग्रेस को अपना वोटबैंक एकजुट करने की मजबूरी जगज़ाहिर है। गठबंधन पर आप की उत्सुकता की वजह भी साफ है। आप का दिल्ली में जनाधार पिछले सालों में बहुत तेजी से खिसका है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में फिर भी कुछ लोग आप को वोट देंगे, लेकिन लोकसभा चुनाव में स्थिति बिल्कुल भिन्न है। 2013 और 2015 के विधानसभा चुनाव में आप को जबरदस्त बहुमत मिला, लेकिन 2014 के लोकसभा चुनाव में आप शून्य पर आ गई। इसलिए 'आप को पता है कि इतनी लोकप्रियता के बावजूद अगर 2014 में खाता नहीं खुला तो 2019 में अपने बलबूते खाता खोल पाना नामुमकिन होगा। जवाब = यह इस बात पर निर्भर करता है कि मोदी को रोकने की परिभाषा क्या है। दरअसल, दिल्ली में भाजपा को रोकने के लिए गठबंधन की कोशिश हो रही है। गठबंधन के सिद्धांत के मुताबिक जब किसी एक दल के खिलाफ अन्य दल एकजुट होते हैं तो उनका प्रतिबद्ध मतदाता वर्ग भी एकजुट होता है। ऐसे में गठबंधन के विरोध में खड़ी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। स्पष्ट है कि अगर यह गठबंधन होता है तो भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि गठबंधन में हो रहा विलंब और इस पर मंडराते खतरे से इसके संभावित लाभ हानि के समीकरण भी वैसे नहीं होंगे जो समय पर गठबंधन करने से होते।

'वंदे मातरम' को लेकर बिहार में राजद और भाजपा में ठनी

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने लोकसभा चुनाव में दरभंगा से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार अब्दुल बारी सिद्दीकी के 'वेंद मातरम' नहीं बोलने वालों की वकालत पर पलटवार करते हुये आज कहा कि राजद के लोग भारत को टुकड़े-टुकड़े करने की मंशा रखने वालों के साथ है इसलिए उसे राष्ट्रगीत गाने में परेशानी है। भाजपा नेता एवं बिहार के उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने आज यहां कहा कि राजद के लोग भारत के टुकड़े-टुकड़े करने की मंशा रखने वालों के साथ हैं, इसलिए उन्हें वंदे मातरम् बोलने में परेशानी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम के नारे लगाये और आजादी के बाद इसे राष्ट्रगीत घोषित किया गया। संसद सत्र के समापन पर वंदे मातरम गाया जाता है। श्री मोदी ने सवालिया लहजे में कहा कि राजद का कोई व्यक्ति यदि सांसद चुना जाता है, तो क्या वह वंदे मातरम गान के समय चुप रह कर राष्ट्रगीत का अपमान करेगा। श्री मोदी ने सवालिया लहजे में कहा कि राजद का कोई व्यक्ति यदि सांसद चुना जाता है, तो क्या वह वंदे मातरम गान के समय चुप रह कर राष्ट्रगीत का अपमान करेगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में हर महीने की पहली तारीख को सभी सरकारी कर्मचारी वंदे मातरम का गान कर देशभक्ति प्रकट करते हैं। कांग्रेस चाहकर भी इस परंपरा को बंद नहीं कर पायी।

पश्चिम बंगाल भाजपा ने पीएम मोदी से की चुनाव लड़ने की पेशकश

बुनियादपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शनिवार को पश्चिम बंगाल से लोकसभा चुनाव लड़ने की पेशकश की गयी। भारतीय जनता पार्टी के थिंक-टैंक और बंगाल के चुनाव रणनीतिकार मुकुल रॉय ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री के राज्य में दूसरे दौर की चुनावी रैली दक्षिण दिनाजपुर में समाप्ति के बाद रॉय ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''नरेन्द्र मोदी ने मुस्कुराते हुए बंगाल से चुनाव लड़ने की पेशकश को न तो ठुकराया और न ही इसे स्वीकार किया। प्रधानमंत्री का उत्तर बंगाल के चुनाव के लिए यह दूसरे दौर की यात्रा थी क्योंकि उन्होंने आखिरी बार तीन अप्रैल को सिलीगुड़ी के पास एक रैली को संबोधित किया था। रॉय ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम लोगों ने मोदीजी से कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के अपराधियों से हमें बचाएं तथा बंगाल के गौरव को वापस लाने का नेतृत्व करें और पश्चिम बंगाल से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहें। रॉय तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं और पार्टी में दूसरे स्थान पर थे लेकिन वह पार्टी छोड़कर गत नवंबर में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। पश्चिम बंगाल में 42 सीटें हैं। भाजपा ने अब तक 39 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं और तीन सीटें अब तक खाली है। रॉय ने कहा, अगर मोदी जी बंगाल से चुनाव लड़ना चाहेंगे तो वह कोई भी संसदीय क्षेत्र का चयन कर सकते हैं।

तीसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार थमा,16 राज्यों की 117 सीटों पर मंगलवार को मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 16 राज्यों की 117 सीटों और ओडिशा विधानसभा की 42 सीटों पर मंगलवार को होने वाले मतदान के लिए चुनाव प्रचार रविवार शाम पांच बजे थम गया। धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने का कई राज्यों में चुनाव प्रचार पर असर देखने को मिला जबकि पर्वतीय राज्यों में मौसम अच्छा होने के कारण चुनाव प्रचार में अधिक उत्साह देखा गया। चुनाव प्रचार के दौरान कई रैलियां, रोड शो और जनसभाएं आयोजित की गयीं तथा झंडे और पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। उम्मीदवारों ने घर-घर जाकर मतदाताओं को लुभाने की भी कोशिश की। यह 17वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव का सबसे बड़ा चरण है। सोलह राज्यों की 117 सीटों के लिए होने वाले मतदान को देखते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव प्रचार में जमकर भाग लिया। ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों में से 42 पर तीसरे चरण में संबंधित लोकसभा सीटों के साथ ही मतदान कराए जाएंगे। तीसरे चरण के साथ ही दक्षिण भारत में चुनाव पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। इस चरण में लोकसभा की 117 सीटों पर 1630 से अधिक प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी केरल के वायनाड़ सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव और उनके कुनबे को सियासी इम्तिहान से गुजरना है। उत्तर प्रदेश की जिन 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, वहां गठबंधन के तहत नौ सीटों पर सपा मैदान में है जबकि एक सीट पर बहुजन समाज पार्टी चुनाव लड़ रही है। इस चरण में पूरी तरह से अखिलेश यादव बनाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच राजनीतिक लड़ाई लड़ी जा रही है तीसरे चरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी, सपा नेता मुलायम सिंह यादव, बसपा प्रमुख मायावती, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा अन्य स्टार प्रचारकों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार प्रचार किया। बिहार में जनता दल (यू) के नेता एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लोक जनशक्ति पार्टी के नेता राम विलास पासवान, उत्तर प्रदेश में बसपा प्रमुख मायावती तथा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में विभिन्न स्थानों पर जनसभाओं को सम्बोधित किया। भाजपा की तरफ से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह तथा अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया। इस चरण में पहले 14 राज्यों की 115 लोकसभा सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना था। इन सीटों के अलावा दूसरे चरण की जिन दो लोकसभा सीटों पर चुनाव आयोग ने मतदान टाल दिया था, अब उस पर भी वोट डाले जाएंगे। इस तरह से 16 राज्यों की 117 सीटों पर मतदान होगा। गुजरात की सभी 26, केरल की सभी 20, महाराष्ट्र और कर्नाटक की 14-14, उत्तर प्रदेश की 10, छत्तीसगढ़ की सात, ओडिशा की छह, पश्चिम बंगाल और बिहार की पांच-पांच, असम की चार, गोवा की दोनों, जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव की एक-एक सीट शामिल है। इसके अलावा तमिलनाडु की वेल्लोर और त्रिपुरा की त्रिपुरा पूर्वी सीट भी शामिल है, ।

प्रियंका का बड़ा बयान, कहा-राहुल गांधी कहें तो वाराणसी से चुनाव लड़ने को तैयार

लखनऊ (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की अटकलें जोरों पर हैं। प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा भी इस ओर इशारा कर चुके हैं। रविवार को इस बारे में खुद प्रियंका ने भी बडा इशारा किया है। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, अगर वाराणसी से लड़ने का मौका मिलता है तो मुझे बहुत खुशी होगी। वायनाड लोकसभा क्षेत्र में अपने भाई के समर्थन में प्रचार के लिए दो दिवसीय दौरे पर आईं प्रियंका ने यहां से रवाना होने से पहले यह बात कही। प्रियंका ने कहा, अगर कांग्रेस अध्यक्ष मुझसे वाराणसी से चुनाव लड़ने को कहते हैं, तो मुझे बहुत खुशी होगी। कांग्रेस ने अभी तक वाराणसी सीट से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है और स्थानीय कार्यकर्ता प्रियंका से चुनाव लड़ने की मांग भी कर रहे हैं। बता दें कि वाराणसी सीट से अपने उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस काफी असमंजस में है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वाराणसी में हाल ही में आंतरिक सर्वे किया गया है ताकि कांग्रेस की मजबूती का आकलन किया जा सके। वाराणसी से 2014 में अजय राय को टिकट दिया गया था। दिलचस्प है कि प्रियंका गांधी के वाराणसी से लड़ने की अटकलें भी प्रियंका के ही एक बयान की वजह से शुरू हुई हैं।

बीते दिनों प्रियंका रायबरेली में कार्यकर्ताओं की एक मीटिंग ले रही थीं। मीटिंग दौरान जब लोग कह रहे थे कि उन्हें सोनिया गांधी की जगह रायबरेली से चुनाव लड़ना चाहिए तो प्रियंका ने कहा, वाराणसी से लड़ना कैसा रहेगा? इसी बयान के बाद से उनके वाराणसी से लड़ने की अटकलों को हवा मिली थी।

चुनाव आयोग ने लगाई मोदी जर्नी ऑफ कॉमन मैन वेब सीरीज पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री मोदी की जीवनी पर बनी फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी की रिलीज से ठीक पहले चुनाव आयोग ने मोदी- द जर्नी ऑफ अ कॉमन मैन वेब सिरीज को बैन कर दिया है। चुनाव आयोग ने आज इरॉस नाऊ को इस वेब सीरीज के सभी एपिसोड्स की स्ट्रीमिंग अपने सभी मीडियम पर बंद करने के आदेश दिए। चुनाव आयोग ने कहा, हमारे संज्ञान में आया है कि मोदी-जर्नी ऑफ अ कॉमन मैन के पांच एपिसोड आपके प्लैटफॉर्म पर उपलब्ध हैं । आपको अगले आदेश तक इसके ऑनलाइन स्ट्रीमिंग को रोकने और इससे संबंधित सभी सामग्री हटाने के निर्देश दिए जाते हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि 17 मार्च को लोकसभा चुनाव 2019 की घोषणा के साथ ही देश में आचार संहिता लागू हो गई। इस दौरान मीडिया का इस तरह इस्तेमाल नहीं हो सकता है कि उससे आचार संहिता का उल्लंघन हो। आपको बता दे कि नरेंद्र मोदी की रिलीज से ठीक पहले ईरॉस नाउ ने वेब सीरीज मोदी - जर्नी ऑफ ए कॉमन मैन अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दी है। 10 एपीसोड्स में मोदी पर बनी इस वेब सीरीज में उनके बचपन से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक की कहानी दर्शाई गई है। इस कहानी का मकसद लोगों को ये दिखाना है कि कैसे भारत का एक आम इंसान न सिर्फ देश का सबसे लोकप्रिय नेता बन गया। इस वेब सीरीज को डायरेक्टर उमेश शुक्ला ने बनाया है। इस वेब सीरीज को गुजरात के ग्रामीण इलाकों जहां पीएम मोदी बड़े हुए हैं ।

संपादकीय

दुविधा में महागठबंधन

यह देखना दिलचस्प है कि आम चुनाव के लिए मतदान के दो चरण बीत जाने के बाद भी कांग्रेस महागठबंधन को आकार नहीं दे पा रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस की दुविधा अभी तक कायम है। वह दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने को तैयार है, लेकिन हरियाणा में नहीं। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी हरियाणा में गठबंधन की शर्त पर ही दिल्ली में कांग्रेस से हाथ मिलाना चाह रही है। पता नहीं इन दोनों दलों में कोई तालमेल होगा या नहीं, लेकिन अगर होता भी है तो यह दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ उनके समर्थकों को असहज करने के साथ ही भ्रमित भी करेगा, क्योंकि आम आदमी पार्टी मूलत- कांग्रेस विरोध की ही उपज है। यह सही है कि कांग्रेस विरोध की राजनीति करने वाले कई दल आज उसके साथ खड़े हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी की स्थिति इसलिए अलग है, क्योंकि उसकी ओर से पंजाब में कांग्रेस से समझौते की कोई बात नहीं की जा रही है। अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दिल्ली एवं हरियाणा में मिलकर चुनाव लड़ती हैं तो फिर वे पंजाब में एक-दूसरे का विरोध किस आधार पर करेंगी? निःसंदेह बीते कुछ समय से गठबंधन राजनीति के नाम पर अकल्पनीय गठजोड़ बनने लगे हैं और एक-दूसरे के प्रबल विरोधी दल भी समाज या फिर देशहित का बहाना बनाकर एक साथ खड़े होने लगे हैं, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं राजनीतिक दल अपने स्वार्थ साधने के लिए जनता को जीती मक्खी निगलने के लिए कहें? एक समय था जब समान राजनीतिक विचारधारा वाले दल एक साथ आते थे, फिर वे कुछ मुद्दों पर सहमति या फिर किसी न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर एक साथ आने लगे। अब वे जुमले गढ़कर एक साथ आने की कोशिश करते दिख रहे हैं। ऐसा करके वे गठबंधन राजनीति को मौकापरस्ती का पर्याय बनाने में ही लगे हुए हैं। वे यह काम किस तरह बिना लोक-लाज के कर रहे हैं, इसका सटीक उदाहरण हैं भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए शत्रुघ्न सिन्हा। वह खुद पटना साहिब से कांग्रेस के प्रत्याशी बने और उनकी पत्नी पूनम सिन्हा समाजवादी पार्टी की लखनऊ से उम्मीदवार बन गईं। निःसंदेह कोई ऐसे तर्क दे सकता है कि यह जरूरी नहीं कि पति-पत्नी की राजनीतिक विचारधारा एक ही हो, लेकिन क्या यह भी तार्किक है कि शत्रुघ्न सिन्हा लखनऊ में कांग्रेस प्रत्याशी की आपत्ति के बीच पत्नी पूनम सिन्हा का प्रचार करने आएं तो अखिलेश यादव संग मायावती को भी प्रधानमंत्री पद का योग्य उम्मीदवार बताएं? क्या वह पटना साहिब में भी यही कहेंगे, जहां बसपा अपने बलबूते चुनाव लड़ रही है? आखिर यह हो क्या रहा है? यह गठबंधन राजनीति हो रही है या फिर जनता को पहेलियां बुझाई जा रही हैं? माना कि भारतीय राजनीति दिन- प्रतिदिन अवसरवादी और अनैतिक होती जा रही है, लेकिन क्या अब उसे जनता की आंखों में धूल झोंकने का भी अधिकार मिल गया है? चूंकि ऐसे सवालों का राजनीतिक दलों की ओर से कोई जवाब नहीं मिलना इसलिए आम जनता को ही यह देखना होगा कि घोर अवसरवादी और सिद्धांतहीन राजनीति से उसका पीछा कैसे छूटे?

ट्वीट

लॉजिक

जो प्रज्ञा ठाकुर का ये लॉजिक भी मानने को तैयार बैठे हैं कि उसके श्राप से पाकिस्तानी आतंकी कसाब और उसके साथियों ने मुंबई आकर वीर हेमंत करकरे को मार दिया.वो देशभक्त नहीं देशद्रोही थे.उनकी बुद्धि पर बस तरस खाया जा सकता है बहस नहीं की जा सकती।

समीर अब्बास, वरिष्ठ पत्रकार

योगी, माया, आजम का अर्थ

शशि शेखर

पिछली बार लोकसभा चुनाव में जिस दिन अंतिम दौर का प्रचार थमा, उस शाम मुल्क के लाखों मर्यादापसंद नागरिकों ने राहत की सांस ली थी। यूं तो चुनाव-दर-चुनाव हमारे राजनेता लोगों की सामाजिक आस्थाओं पर आघात करते आए हैं, लेकिन 2014 पतन की लंबी परछाइयों पर लोटता नजर आया था। चैन की घर वापसी की वह बेबस आस महज कुछ दिन टिक सकी। बाद के पांच वर्षों में विधानसभा के 25 चुनाव लड़े गए और हर बार समूचा देश ऊंचे पदों के प्रत्याशियों की गिरावट का दर्दनाक मंजर देख बेबसी से तिलमिलाता रहा। इन दिनों हम फिर से वैचारिक पतन की उसी घिनौनी बजबजाहट के शिकार हैं। अंततः चुनाव आयोग ने कुछ कठोर फैसले लेकर थोड़ा ढांढ़स बंधाने की कोशिश की है, पर उसका रास्ता कम दुरूह नहीं। वजह? जब देश की हर पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं पर आदर्श चुनाव आचार संहिता की सरेआम चिंदियां उड़ाने के आरोप हों, तो ऐसा होना लाजिमी है। गंगा अगर अपनी मैदानी बहावट में गंदली हो रही हो, तो उसे साफ किया जा सकता है, पर गंगोत्री ही गंदगी उगलने लगे, तो उसे भला कौन साफ करेगा? ऐसे में टी एन शेषन याद आते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को तीन मंत्रियों की बेदखली के लिए बाध्य कर दिया था। उन जैसा जिगर बाद के चुनाव आयुक्तों में नहीं देखने को मिला। हालांकि, हमारे नेता भी अब अधिक चतुर हो गए हैं। नियम-कायदे और विधि-विधान की ऐसी कौन-सी बारीकी है, जिसकी वे काट न कर सकते हों? आयोग ने योगी आदित्यनाथ, मायावती, मेनका गांधी और मोहम्मद आजम खान के 48 से 72 घंटे तक चुनाव प्रचार पर पाबंदी लगा दी। लोक-लाज और राजनीतिक मर्यादा का तकाजा था कि वे चुप बैठ प्रायश्चित करते, पर नहीं, उन्होंने सुर्खियां जुटाने के दूसरे तरीके ईजाद कर लिए।

मायावती ने इस निर्णय के कुछ घंटे के भीतर प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप जड़ दिया कि यह निर्णय नई दिल्ली की हुकूमत पर बिराज रही भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर किया गया है। उन्होंने आयोग को दलित-विरोधी करार देते हुए उसकी जमकर लानत-मलामत की। खबरें जब डिजिटल ज्वार की तरंगों पर तिरने को बेचैन हों, तो ऐसे बयान सिर्फ सुर्खियों में नहीं आते, बल्कि बिना वक्त गंवाए वायरल हो जाते हैं। डिजिटल मीडिया के आंकड़े चीख-चीखकर मुनादी करते हैं कि सदाचारी सियासी प्रवचनों के मुकाबले तीखे आरोप और विवादास्पद बोल लोगों का ज्यादा ध्यान आकर्षित करते हैं। 'बहनजी' ने ऐसा किया और बाजी मार ली। चुनाव आयोग के फैसलों के साथ उनका बयान भी रात गहराने के साथ फैलता चला गया। गेरुआ वस्त्रधारी योगी आदित्यनाथ जानते हैं कि उनके प्रशंसक उन्हें एक काबिल प्रशासक से ज्यादा धर्माचार्य के तौर पर पसंद करते हैं। उन्होंने अगली सुबह से दूसरी युक्ति अपनाई। वह लखनऊ में गोमती नदी के तट पर स्थित हनुमान सेतु मंदिर में जा विराजे। टीवी और मोबाइल कैमरों के जरिए उनके मुदित मुख के साथ समर्थकों के 'जय सियाराम' की अनुगूंज पूरी दुनिया तक 'लाइव' पहुंच रही थी। चुनाव आयोग को जो करना था, कर लिया, पर किसी को पूजा करने से तो रोका नहीं जा सकता। योगी की मंदिर यात्रा 'वायरल' होनी थी, हुई। वह यहीं नहीं रुके, अगले दो दिन उन्होंने अयोध्या में रामलला, देवीपाटन में दलित के यहां भोज और काशी में आश्रम दर्शन पर लगाए। मीडिया ने बिना बोले ही उनके संदेश को मतदाता तक पहुंचा दिया। उधर रामपुर में मोहम्मद आजम खां के विधायक बेटे ने पत्रकार वार्ता में आरोप जड़ा कि उनके पिता पर पाबंदी मुस्लिम होने की वजह से लगाई गई है। मतलब साफ है, आयोग का यह फैसला समाज को गोलबंद करने की कोशिशें रोक नहीं पाया। धर्म, जाति और संप्रदाय को ध्यान में रखकर राजनीति करने वाले नेताओं की काट वैसे भी आसान नहीं है। आप याद करें। 1995 में शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे ने जब आयोग की चेतावनियों के बावजूद एक वर्ग विशेष के लिए विषवमन नहीं छोड़ा, तो उन पर छह साल के लिए चुनाव लड़ने अथवा वोट डालने पर पाबंदी लग गई थी। इससे उनकी लोकप्रियता घटने की बजाय बढ़ गई थी। अगले चुनाव में मुंबई के सत्ता-सदन पर उनका मुख्यमंत्री काबिज था और अटल बिहारी वाजपेयी के सत्ता-मंडल में उनके नुमाइंदे प्रमुख पदों पर थे। जो देश जाति, धर्म, भाषा, संप्रदाय और क्षेत्रीयता की खंदकों-खाइयों में खुद को महफूज महसूस करता हो, वहां ऐसा होना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से दुर्गति की यह दास्तान यहीं खत्म नहीं हो जाती।

चुनावों में धनबल का इस्तेमाल दूसरी बड़ी विपदा है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लगभग 695 करोड़ रुपये की नकदी इन चुनावों के दौरान बरामद की जा चुकी है। मतलब साफ है कि न काला धन खत्म हुआ है और न उसका इस्तेमाल। जाति-धर्म की नारेबाजी के बीच गरीब मतदाताओं पर नोटों की वर्षा भी चुनावी राजनीति का दूसरा महारोग है। यही वजह है कि इस गरीब मुल्क में अमीर हुक्मरानों की तादाद बढ़ती जा रही है और देश की पूंजी तेजी से कुछ घरानों तक सीमित होती जा रही है। मतदाताओं को समझना ही होगा कि उन्माद और लालच का यह व्यापार सिर्फ और सिर्फ उसका बुनियादी हक मार रहा है। क्षणिक उन्माद और लालच देश अथवा उसके वासियों के लिए कितने खतरनाक हैं, ये चुनाव इसकी भी मिसाल हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि संसार की सर्वाधिक प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में एक द इकोनॉमिस्ट ने पिछले साल प्रकाशित 'डेमोक्रेसी इंडेक्स 2018' में भारत को 'दोषपूर्ण लोकतंत्र' की श्रेणी में रखा था। इस रिपोर्ट ने खुलासा किया कि संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र 'चुनाव प्रक्रिया और बहुलतावाद','सरकार की कार्य-शैली', 'राजनीतिक सहभागिता', 'राजनीतिक संस्कृति' और 'नागरिक आजादी' की कसौटी पर बुरी तरह पिट गया है। अगर आपने इसी चुनाव से लोकतंत्र के लिए घातक इन प्रवृत्तियों का प्रतिकार नहीं शुरू किया, तो पुरखों के बलिदान से उपजी इस जम्हूरियत की नींव चुनाव-दर-चुनाव दरकती जाएगी। इसका अंजाम क्या होगा, यह बताने की जरूरत है क्या?

ज्ञान गंगा

अतर्कपूर्ण

ओशो/ अतर्कपूर्ण होने के लिए ही अकारण है। तर्क या विचार शक्ति इतनी अधिक छोटी चीज है कि वह उसे धारण नहीं कर सकती। धर्म है, अस्तित्व का विराट आकाश। तर्क या विचार शक्ति, मनुष्य की एक बहुत छोटी सी दृश्य सत्ता है। तर्क या विचार शक्ति को छोड़ना ही है, उसे मिटा ही देना है, और केवल मन के पार जाने से ही कोई भी, जो भी है, वह उसे समझना प्रारंभ करता है। यही मौलिक परिवर्तन होता है। धर्म के सिवाय, कोई भी तत्वज्ञान यह मौलिक परिवर्तन नहीं ला सकता। धर्म का शुद्धतम रूप है झेन। इसे केवल अतर्कपूर्ण ढंग से बिना बुद्धि के ही समझा जा सकता है। तुम निरीक्षण और प्रयोगों पर आधारित वैज्ञानिक और वस्तुगत धारणाओं के द्वारा झेन तक नहीं पहुंच सकते। उसे जानने के लिए तुम्हें उसे जीना है। धर्म को नीति कथाओं में, काव्य में, अलंकारों में और काल्पनिक कथाओं द्वारा अपनी बात कहनी होती है। सत्य की ओर संकेत करने के ये सभी अप्रत्यक्ष तरीके हैं-केवल सत्य की ओर संकेत करना, प्रत्यक्ष रूप से चिल्ला कर सूचित न करके केवल कान में फुसफुसाना है। झेन सद्गुरु इक्यू की ये छोटी-छोटी कविताएं अत्यधिक महव की हैं। स्मरण रहे, यह महान कलात्मक काव्य नहीं है, क्योंकि इससे उसका कोई सरोकार ही नहीं है। काव्य को एक पद्धति की भांति प्रयुक्त किया गया है, जिससे वह तुम्हारे हृदय में हलचल कर सके। कविता करना उसका लक्ष्य नहीं है। इक्यू की अभिरुचि महान काव्य का सृजन करने में नहीं है, वह वास्तव में कवि न होकर एक रहस्यदर्शी है। लेकिन वस्तुतः गद्य में कहने की अपेक्षा, एक विशिष्ट कारण से अपनी बात कविता द्वारा कह रहा है। वह कारण है-कविता के पास चीजों की ओर संकेत करने का एक प्रत्यक्ष तरीका। कविता में स्त्रीत्व है, गद्य में पौरुष। गद्य का पूरा ढांचा तर्कयुक्त होता है, और काव्य मौलिक रूप से अतर्कपूर्ण। गद्य को बिल्कुल स्पष्ट, प्रतिरोध रहित और परदर्शी होना होता है, जबकि काव्य को धुला और अस्पष्ट सा होना होता है-और यही उसका गुण और सौंदर्य होता है। गद्य को जो अभिव्यक्त करना है, वह पूरी तरह से वही बात कहता है, जबकि कविता बहुत सी बातें कहती है। दिन-प्रतिदिन के संसार में और बाजार के बीच गद्य की ही आवश्यकता होती है। लेकिन जब भी हृदय की किसी चीज को व्यक्त करना होता है, तो गद्य हमेशा अपर्याप्त लगता है और किसी को कविता की ही शरण में जाना होता है।

महिलाओं के बिना लोकतंत्र संभव नहीं

अला सलह सामाजिक कार्यकर्ता, सूडान

सूडान के एक मध्यवर्गीय परिवार में जन्मी अला सलह ने बचपन से अपने मुल्क में नागरिक अधिकारों का हनन देखा। घर में सामाजिक मसलों पर चर्चा होती रहती थी। मम्मी-पापा की बातचीत से देश में वर्षों से कायम तानाशाही का दर्द समझा। उनके मन में यह धारणा घर कर गई कि यदि देश में लोकतंत्र कायम हो जाए, तो लोगों की जिंदगी आसान हो जाएगी। 22 वर्षीय अला यूनिवर्सिटी में इंजीनियरंग की पढ़ाई कर रही है। अला बताती है, मेरी मम्मी फैशन डिजाइनर हैं और पापा निर्माण बिजनेस में। वे खुले विचारों के हैं। उन्होंने मुझे पढ़ने और करियर चुनने की आजादी दी। स्कूली पढ़ाई के बाद खारतूम प्रांत की सूडान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में उनका दाखिला हो गया। यूनिवर्सिटी में आने के बाद अला राजनीतिक और सामाजिक मसलों पर आयोजित होने वाली बहसों में हिस्सा लेने लगी। यूनिवर्सिटी में लड़कियों की समस्याओं, खासकर भेदभाव जैसे मुद्दों को लेकर वह काफी मुखर रही। कॉलेज के लड़के-लड़कियां उनकी बेबाकी के कायल थे। जब भी छात्रों से जुड़ी कोई समस्या आती, वे पहुंच जाते उनके पास। कई बार उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रशासन से छात्र समस्याओं को लेकर बहस की और उसे हल कराया। अध्यापकों को भी लगने लगा था कि यह लड़की आने वाले समय में बड़ा काम करने वाली है। इस बीच देश में ओमर अल बशीर सरकार के खिलाफ आवाज उठने लगी। यूनिवर्सिटी कैंपस में भी इस पर चर्चा हुई। अला ने इस मसले पर छात्राओं की राय जानने के लिए उनसे बात की। शुरुआत में लड़कियों को लगा कि उन्हें इन मसलों से दूर रहना चाहिए। जाहिर है, उनके माता-पिता भी नहीं चाहते थे कि बेटियां सियासी मसलों में किसी तरह से हस्तक्षेप करें। कुछ लड़कियां, जो उनका साथ देना चाहती भी थीं, वे भी चुप रहीं, क्योंकि उन्हें डर था कि राजनीति के चक्कर में कहीं उनकी पढ़ाई न छूट जाए। हालांकि इस दौरान कैंपस में तानाशाही के खिलाफ माहौल बन चुका था। सभी को लगता था कि देश में सत्ता परिवर्तन होना चाहिए। लोगों को अपनी पसंद की सरकार चुनने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन इस मुद्दे पर खुलेआम मांग उठाने की किसी में हिम्मत नहीं थी। बात पिछले साल दिसंबर की है। सूडान में अचानक सरकार-विरोधी आंदोलन शुरू हो गए। लोग आर्थिक सुधार की मांग करने लगे, ताकि आम जनता को महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से राहत मिल सके। सरकार ने जब उनकी ओर ध्यान नहीं दिया, तो सत्ता परिवर्तन की मांग बढ़ी। देश में जगह-जगह धरना-प्रदर्शन होने लगे। लोगों में खासकर ब्रेड के दाम बढ़ने को लेकर भयानक गुस्सा था। हालात बिगड़ते गए और आंदोलन तेज होता गया। तत्कालीन राष्ट्रपति ओमर अल बशीर ने फरवरी में आपातकाल घोषित कर दिया। इसके बाद तो जनता का गुस्सा और भड़क गया। अला के मन में बहुत बेचैनी थी। वह भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थी, पर समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करे। वह महिलाओं को जगाना चाहती थी। अला का मानना है, बंदूक की गोली किसी की हत्या नहीं करती, बल्कि लोगों की चुप्पी करती है। इसलिए हमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहिए। दरअसल, इस साल फरवरी तक सूडान में जारी आंदोलन में केवल पुरुष सक्रिय थे। महिलाओं की भागीदारी नहीं के बराबर थी। मार्च महीने में उन्होंने हिम्मत जुटाई और अपनी सहेलियों के संग

प्रदर्शन करने चल पड़ी। हालांकि यह आसान नहीं था। आंदोलन के नाम पर लड़कियां उनके संग आने को राजी नहीं थीं। शुरुआत में उनके साथ केवल छह महिलाएं थीं। वह उनके संग क्रांति के गीत गाती हुई प्रदर्शन करने लगी। कारवां बढ़ता गया। जल्द ही सैकड़ों महिलाएं साथ आ गईं। अला के नेतृत्व में 7 और 8 अप्रैल को राष्ट्रपति महल के सामने महिलाओं ने बड़ा प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी एक तस्वीर वायरल हुई। तस्वीर में वह सफेद रंग का दुपट्टा ओढ़कर नारे लगाती नजर आ रही है। फोटो देखकर लोग उन्हें 'लेडी लिबर्टी ऑफ सूडान' कहने लगे। तमाम अखबारों और टीवी चैनलों पर उनके बारे में चर्चा होने लगी। इसके बाद सूडान में जनांदोलन ने रफ्तार पकड़ी। राष्ट्रपति अल बशीर को सत्ता से हटना पड़ा। बशीर की जगह अहमद अवाद इबन आउफ के नेतृत्व में ट्रांजिसनल कौंसिल गठित हो गई। गौरतलब है कि बशीर पर जनसंहार का आरोप है। उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में मामला चल रहा है। आंदोलनकारी अब इस मांग पर अड़े हैं कि सूडान में नागरिक परिषद् का गठन होना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि सूडान में जारी आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी 70 फीसदी हो गई है। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद अला को जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। अला ने ट्विटर पर लिखा, धमकी देने वाले मुझे डराना बंद करें। मैं पीछे हटने वाली नहीं हूं। हमें लोकतंत्र चाहिए। हम महिलाओं का संघर्ष जारी रहेगा। (प्रस्तुति- मीना त्रिवेदी)

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में 98,502 करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह 98,502.47 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस सर्वाधिक लाभ में रही। बृहस्पतिवार को समाप्त सप्ताह में लाभ में रहने वाली अन्य कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल), एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक तथा आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ आईटीसी, एचडीएफसी, इन्फोसिस तथा एसबीआई को बाजार मूल्यांकन के लिहाज से नुकसान हुआ। महावीर जयंती और गुड फ्राइडे के कारण शेयर बाजार क्रमशः बुधवार और शुक्रवार को बंद रहे। अवकाश के कारण कम कारोबारी दिवस वाले सप्ताह में सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 373.17 अंक यानी 0.96 प्रतिशत मजबूत होकर 39,140.28 अंक पर बंद हुआ। टीसीएस के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में सर्वाधिक वृद्धि हुई। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2019 को समाप्त तिमाही में 17.7 प्रतिशत बढ़ने की खबर के बाद से कंपनी के शेयर में तेजी रही है। आलोच्य सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 25,957.18 करोड़ रुपए बढ़कर 8,76,585.81 करोड़ रुपए तथा एचडीएफसी बैंक 6,808.26 करोड़ रुपए मजबूत होकर 6,23,678.06 करोड़ रुपए पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,739.51 करोड़ रुपए चढ़कर 2,61,018.37 करोड़ रुपए तथा कोटक महिंद्रा बैंक 5,966.44 करोड़ रुपए मजबूत होकर 2,62,789.40 करोड़ रुपए पर आ गया। एचयूएल का एमकैप 3,593.41 करोड़ रुपए की तेजी के साथ 3,76,106.57 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी तरफ इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 13,740.3 करोड़ रुपए घटकर 3,12,990.25 करोड़ रुपए पर आ गया।

रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर में 0.25प्रतिशत घटबढ करने की तरीके में कर सकता है बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

रिजर्व बैंक आने वाले समय में मौद्रिक नीति के संकेत देने के बारे में कुछ नए कदम उठा सकता है। आने वाले महीनों में रिजर्व बैंक मुख्य नीतिगत दर रेपो में केवल 0.25त्न या इसके गुणकों (दो ,तीन, या चार गुणा) में घटबढ़ करने के बजाय इससे कम अथवा अधिक दर से भी बदलाव कर सकता है। इस बदलाव से बाजार की उम्मीदों और मौद्रिक नीति उपायों के बीच का जो अंतर होता है वह कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही वाशिंगटन में मुद्राकोष-विश्वबैंक की ग्रीष्मकालीन सालाना बैठक के दौरान एक कार्यक्रम में इस बात की चर्चा छेड़ी है कि क्या नीतिगत उपायों के संकेतक के तौर पर 0.25 प्रतिशत के गुणक में नीतिगत दर में बदलाव की व्यवस्था समाप्त कर इसके स्थान पर कम या अधिक दर से बदलाव किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक की शोध इकाई एसबीआई रिसर्च ने अपनी शोध रिपोर्ट इकोरैप में इसका जिक्र करते हुये कहा है कि अगर ऐसा होता है तो यह केंद्रीय बैंक का महत्वपूर्ण कदम होगा जिसका मकसद मौद्रिक नीति को लेकर विभिन्न पक्षों के बीच संवाद को और पारदर्शी और स्पष्ट बनाना है। फिलहाल परंपरागत रूप से रिजर्व बैंक नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत या इसके गुणक में ही वृद्धि अथवा कमी करता है। स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. सौम्य कांति घोष द्वारा हाल में तैयार इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वास्तव में इस बिंदु को उठाकर गवर्नर ने यह संकेत दिया है कि नीतिगत दर में 0.1 प्रतिशत की कटौती अगर नियामक के इरादे को स्पष्ट कर सकती है तो फिर 0.25 प्रतिशत की कटौती की क्या जरूरत है यानी 0.15 प्रतिशत अधिक कटौती क्यों की जाए? इसमें कहा गया है, ''आरबीआई गवर्नर दास का का इरादा न केवल सकारात्मक है बल्कि आने वाले समय के मुताबिक उपयुक्त और आधुनिक भी है। एसबीआई की इस रिपोर्ट में यह परिकल्पना भी की गई है कि अलग अलग स्तर की ब्याज दर कटौती को केंद्रीय बैंक के अलग अलग रुख से जोड़ा जा सकता उदाहरण के लिए।

जनधन खातों में जमा राशि एक लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

जनधन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों में कुल जमा राशि एक लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच जाने की उम्मीद है। मोदी सरकार ने जनधन योजना 5 साल पहले शुरू की थी। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनधन खातों में कुल जमा राशि में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और यह तीन अप्रैल को 97,665.66 करोड़ रुपए पहुंच गई। जनधन खातों की संख्या 35.39 करोड़ पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को इन खातों में जमा राशि 96,107.35 करोड़ रुपए थी। इससे एक सप्ताह पहले यह 95,382.14 करोड़ रुपए थी। अबतक 27.89 करोड़ से अधिक खाताधारकों को रूपे डेबिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) की शुरूआत 28 अगस्त 2014 को हुई। इसका मकसद सभी परिवार को बैंक सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना था। योजना की सफलता से उत्साहित सरकार ने 28 अगस्त 2018 के बाद खोले गए नए खातों के लिए दुर्घटना बीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दिया। साथ ही ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी बढ़ाकर 10,000 रुपए कर दी गई। कुल खातों में 50 प्रतिशत से अधिक खाते महिलाओं के नाम पर हैं जबकि करीब 59 प्रतिशत खाते ग्रामीण तथा अर्द्ध-शहरी क्षेत्र में खोले गए।

आईटी कंपनियों ने साइबर सुरक्षा को चाक-चौबंद बताया, कहा डेटा में सेंध नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

आईटी कंपनियों द्वारा साइबर सुरक्षा को लेकर बड़ा ब्यान दिया है। सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों इन्फोसिस एवं कॉग्निजेंट का कहना है कि उनके डेटा में किसी तरह की सेंध नहीं लगी है, और वह किसी भी तरह के साइबर हमले को लेकर चाक-चौबंद हैं। साइबर सुरक्षा से जुड़े ब्लॉग कर्ब्सऑनसिक्योरिटी ने हाल में अपने एक पोस्ट में कहा था। नए साक्ष्यों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पिछले महीने अपने डेटा में सेंध अभियान के तहत विप्रो के दर्जनों कर्मचारियों एवं 100 से अधिक कंप्यूटर प्रणालियों पर हमला करने वालों ने लगता है कि इन्फोसिस एवं कॉग्निजेंट सहित अन्य कंपनियों को भी निशाना बनाया है। ब्लॉग में कहा गया है कि ठीक-ठाक अनुभव वाला आपराधिक समूह गिफ्ट कार्ड के जरिए धोखाखड़ी पर ध्यान दे रहा है। इससे पहले कर्ब्सऑनसिक्योरिटी ने विप्रो की प्रणाली में सेंधमारी की सूचना दी थी और कहा था कि इसका इस्तेमाल उसके कुछ क्लाइंट पर हमले के लिए किया जा रहा है। इसके बाद विप्रो ने सूचित किया था कि उसके कुछ कर्मचारियों के खाते फिशिंग अभियान के तहत किये गए हमले से प्रभावित हुए हैं। इस संबंध में

संपर्क किये जाने पर इन्फोसिस ने ई-मेल के जरिए बयान जारी कर कहा है कि उसके नेटवर्क पर डेटा में सेंध लगाये जाने का कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है। कॉग्निजेंट के प्रवक्ता ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में आपराधिक गतिविधियों के बारे में पता चलने के बाद कंपनी के सुरक्षा विशेषज्ञों ने तत्काल और उचित कार्रवाई की है।

संक्षिप्त समाचार

दो सप्ताह बाद फीकी पड़ी सोने की चमक

नई दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में पिछले सप्ताह सोने की दो सप्ताह से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया और यह 150 रुपए की साप्ताहिक गिरावट में 32,670 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। वहीं, चांदी 420 रुपए मजबूत होकर 38,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। विदेशों में पीली धातु पर रहे दबाव का असर भी स्थानीय बाजार में दिखा। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, वहां सोना हाजिर गत सप्ताह 14.70 डॉलर यानी 1.14 प्रतिशत लुढ़ककर 1,275.60 डॉलर प्रति औंस रह गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 1.21 प्रतिशत की गिरावट में सप्ताहांत पर 1,277.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक आंकड़े आने और अमेरिका तथा चीन के बीच व्यापार तनाव कम करने को लेकर प्रगति की उम्मीद में निवेशकों ने सोने की बजाय पूंजी बाजार में निवेश किया है। इससे पीली धातु दबाव में आ गई। सोने के विपरीत अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 0.33 प्रतिशत चढ़कर 14.99 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई। शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवकाश के कारण पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चार दिन ही कारोबार हुआ।

सोशल मीडिया एप्प पर मनमाने प्रतिबंध से एफडीआई का राह होगा प्रभावितः आईएएमएआई

नई दिल्ली। शनिवार को इंटरनेट और मोबाइल उद्योग से जुड़े संगठन ने चीनी एप्प टिकटॉक की वकालत की है। उन्होंने कहा है कि सोशल मीडिया एवं अन्य मंचों पर मनमाने तरीके से रोक लगाये जाने से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में बाधा आ सकती है। उनका कहना है कि इससे डिजिटल इंडिया का विस्तार भी प्रभावित होगा। वीडियो साझा करने वाले चीनी एप्प टिकटॉक का नाम लिए बगैर इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) ने कहा है कि उनका ब्यान एक सोशल मीडिया मंच पर उच्च न्यायालय के आदेश पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा लगाये गए हालिया प्रतिबंध के संदर्भ में है।क्योंकि पिछले कुछ दिनों में मद्रास उच्च न्यायालय ने तीन अप्रैल 2019 को केंद्र सरकार को टिकटॉक एप्प को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद अदालत ने मीडिया में चलने वाली खबरों को उद्धत करते हुए कहा कि ऐसी सूचनाएं मिल रही हैं कि मोबाइल एप्प के जरिए प्रॉनोग्राफी और आपत्तिजनक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसके बाद दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों गूगल और एप्पल ने अपने एप स्टोर से टिकटॉक एप्प को हटा दिया था। आईएएमएआई ने कहा कि अगर देश में अदालतें यदि इस तरह से इकतरफा रोक लगाती रहेंगी तो डिजिटल भारत की प्रगति की राह में बाधाएं उत्पन्न होंगी और एफडीआई भी प्रभावित होगा।

जेतली से मिले जेट एयरवेज के सीईओ, एक माह के वेतन के लिए मांगे 170 करोड़

नई दिल्ली। वित्तीय संकट के कारण 'अस्थायी तौर पर परिचालन बंद कर चुकी निजी विमान सेवा कंपनी जेट एयरवेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनय दूबे के नेतृत्व में कंपनी के प्रबंधन तथा कर्मचारियों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को वित्त मंत्री अरुण जेतली से मुलाकात की और अंतरिम राहत के तौर पर कम से एक माह के वेतन के लिए नकदी उपलब्ध कराने की मांग की। जेतली से यहां उनके आवास पर मिलने के बाद दूबे ने बताया कि उन्होंने वित्त मंत्री को एक ज्ञापन देकर कंपनी की स्थिति से अवगत कराया। साथ ही कंपनी की हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया पूरी होने तक कर्मचारियों को अंतरिम राहत देने के लिए एक माह के वेतन की व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने बताया कि जेतली ने उन्हें इस संबंध में जेट एयरवेज का ऋणदाता बैंकों से बात करने का आश्वासन दिया जिन्होंने ऋण समाधान प्रक्रिया के तहत हिस्सेदारी बेचने के लिए बोली आमंत्रित की है। इस संबंध में तीन-चार दिन में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। दूबे ने मीडिया को बताया कि कर्मचारियों को एक महीने का वेतन देने के लिए कंपनी को 170 करोड़ रुपए की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पायलटों को साढ़े तीन महीने से और अभियंताओं को तीन महीने से वेतन नहीं मिला है। कुछ कर्मचारी मजबूरी में कंपनी छोड़कर चले गए हैं। हिस्सेदारी बिक्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद एयरलाइंस का परिचालन शुरू करने के लिए कर्मचारियों को कंपनी छोड़ने से रोकने के उपाय करना जरूरी है क्योंकि कर्मचारियों से ही एयरलाइंस है। कर्मचारियों को कंपनी छोड़ने से रोकने के उपाय करना जरूरी है क्योंकि कर्मचारियों से ही एयरलाइंस है। इस बैठक में कुछ देर के लिए नागरिक उड्डयन सचिव प्रदीप सिंह खरोला, महाराष्ट्र के वित्त मंत्री सुधीर मुंगानतिवर और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल थे।

वाणिज्यिक बैंकों में 5 दिन होगा काम,मीडिया ने फैलाई गलत खबरें : आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आईबीआई) ने मीडिया में आ रही खबरों गलत ठहराया है। आरबीआई का कहना है उन्होंने वाणिज्यिक बैंकों को कोई ऐसा निर्देश जारी नही किया है। जिसमें केंद्रीय बैंक द्वारा वाणिज्यिक बैंकों की सभी शाखाएं महीने के सभी शनिवार को बंद रहने का निर्देश जारी किया हो, और इस तरह बैंक सप्ताह में अब पांच दिन ही खुले रहने की बात करी हो। आरबीआई के चीफ जनरल मैनेजर योगेश दयाल ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि मीडिया के कुछ धड़ों में यह खबर है कि आरबीआई के निर्देश पर वाणिज्यिक बैंक सप्ताह में पांच दिन ही खुले रहेंगे। लेकिन आरबीआई द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि यह खबर सही नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसने इस बारे कोई निर्देश जारी नहीं किया है। वर्तमान में वाणिज्यिक बैंकों की शाखाएं रविवार के अलावा, महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहेंगे।

अब सोयाबीन के ताजे दूध से बनेगा टोफू

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

जपान की एक कम्पनी ने देश में पहली बार कैंसर और हृदय रोग प्रतिरोधक क्षमता वाली ताजा सोयाबीन दूध से बनी 'टोफू' को रविवार को लांच किया। टोफू में न केवल 33.8 प्रतिशत प्रोटीन है, बल्कि इसमें कैल्शियम और रेशे भी भरपूर मात्रा में हैं जो कुपोषण को दूर करता है तथा कम कैलोरी के कारण मोटापे की समस्या के समाधान में भी कारगर है। जापानी कम्पनी इन्विगरेट फूड्स ने सोया उत्पादों के निर्माण के लिए तीन साल में 60 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना तैयार की है। कम्पनी फार्म टोफू, एक्स्ट्रा फार्म टोफू, ताजा सोया दूध, मसालेदार सोया दूध, योगर्ट और डोन्टस को भी लांच करने पर विचार कर रही है। इन्विगरेट फूड के ग्लोबल मैनेजिंग डायरेक्टर केंटारो डेकेडा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हमें ताजा सोया दूध से बने मेक इन इंडिया निर्मित उत्पादों को लांच करने पर बेहद प्रसन्ता हो रही है। जापानी आहार विशेषज्ञ एननाका ने बताया कि टारेफू खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करने तथा त्वचा एवं बालों की गुणवत्ता बढाने में मदद करता है। यह कैंसर और हृदय रोग को

रोकने में मददगार है।

कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर नवीन सुन्द्रियाल ने बताया कि उनका उत्पाद एक वर्ष के अंदर पूरे देश में मिलने लगेगा। इससे कम से कम एक हजार लोगों कों रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक और जापानी मॉडल शिजुका तकेदा, जापानी दूतावास के अधिकारी और राजनेता भी उपस्थित थे। कम्पनी ने मानेसर में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया है।

पांच सालों में भारत के रियल एस्टेट सेक्टर का हाल

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

2019 लोकसभा चुनाव की शुरुआत हो चुकी है। भाजपा की ओर से जारी किए गए घोषणापत्र में हर गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई है। सरकार की भले ही रियल एस्टेट को मजबूत बनाने की योजना हो, लेकिन ऐनारॉक प्रॉपर्टीज की रिपोर्ट के अनुसार भारत के रियल एस्टेट सेक्टर की हालत एकदम खराब है। देशभर के सात प्रमुख शहरों में 4,51,750 करोड़ रुपए की करीब 5.6 लाख आवासीय इकाइयों का निर्माण समय से पीछे चल रहा है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एनारॉक का कहना है कि मांग में कमी और डेवलपर्स की ओर से पूंजी का इस्तेमाल दूसरे कार्यों में करने से धन की कमी के कारण परियोजनाएं पूरी करने में देरी हो रही है। सभी 5.6 लाख आवासीय इकाइयां राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद और पुणे में हैं। इनका काम 2013 से पहले शुरू हुआ था। एनारॉक के संस्थापक एवं चेयरमैन अनुज पुरी ने बताया कि आवासीय परियोजनाओं में देरी के कारण सभी शीर्ष शहरों विशेषकर एमएमआर एवं एनसीआर में लाखों खरीदार मकान खरीदकर फंसे हुए हैं। रिपोर्ट की मानें तो घरों की बिक्री भी पिछले 5 वर्षों में 28 फीसदी की दर से घटी है। वर्ष 2014 में जहां 3.43 लाख घरों की बिक्री हुई, वहीं पिछले साल 2.48 लाख घर बिके। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले पांच साल के दौरान घरों के दाम में 7 फीसदी का इजाफा हुआ है, जबकि इस दौरान इनकी मांग 28 प्रतिशत घटी है। इसी तरह घरों की आपूर्ति में इस समय अंतराल में 64 फीसदी की गिरावट आई है। एक ओर जहां सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना को बढ़ावा दे रही है, वहीं एनारॉक की रिपोर्ट मानें तो प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सस्ते आवासीय परियोजना की रफ्तार सुस्त है। इस योजना के तहत मंजूर किए गए 79 लाख घरों में से अब तक सिर्फ 39 फीसदी घरों का निर्माण पूरा हुआ है। एनसीआर में प्रोजेक्ट पूरा कराने की दिशा में नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कार्पोरेशन का आगे आना एक बड़ी पहल है, जिसका असर दिख सकता है। अगर सरकार की ये योजना 50 फीसदी प्रोजेक्ट्स भी हाथ में ले ले तो बड़े पैमाने पर एलआईजी और ईडब्ल्यूएस प्रोजेक्ट्स पूरे होंगे और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

एनारॉक के आंकड़ों के मुताबिक, देरी से चल रहीं आवासीय इकाइयों में एमएमआर और एनसीआर की हिस्सेदारी 72 फीसदी है। एमएमआर में 2,17,550 करोड़ रुपए के 1,92,100 अपार्टमेंट और एनसीआर में 1,31,460 करोड़ रुपए की 2,10,200 आवासीय इकाइयां फंसी हुई हैं। पिछले पांच सालों में दिल्ली-एनसीआर में फ्लैटों का औसत साइज 16 फीसदी तक घट गया है। वहीं 40 लाख रुपए तक की कीमत वाले मकानों के आकार में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज हुई है।

फरवरी में बढ़ा तीन गुना रोजगार, 8.61 लाख को मिली नौकरी: ईपीएफओ

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

वर्ष 2019 के फरवरी महीने में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ है। आंकडों के मुताबिक संगठित क्षेत्र में निवल रोजगार सृजन वर्ष 2018 के फरवरी में 2.87 लाख था। लेकिन इस वर्ष के मुकाबले यह तीन गुना बढ़कर 8.61 लाख तक पहुंच गया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के हालिया आंकड़े के मुताबिक जनवरी, 2019 में नयी नौकरियों की संख्या सबसे अधिक 8.94 लाख रही है।लेकिनपिछले साल में 8.96 लाख लोगों के लिए रोजगार सृजन संख्या बताई गई थी ईपीएफओ अप्रैल 2018 से कंपनियों के वेतन रजिस्टर में दर्ज होने वाले नाम के आधार पर रोजगार के आंकड़े जारी कर रहा है। संगठन ने सितंबर 2017 की अवधि से आंकडे जुटाये हैं। फरवरी 2019 में 22-25 वर्ष आयु वर्ग के 2.36 लाख को एवं 18-21 आयु वर्ग के 2.09 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2017 से फरवरी 2019 के बीच 18 महीने के दौरान 80.86 लाख नए रोजगार का सृजन हुआ है। ईपीएफओ ने कहा है कि ये आंकड़े अस्थायी हैं और कर्मचारियों के रिकॉर्ड को अद्यतन करना सतत प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि ईपीएफओ ने सितंबर 2017 से लेकर जनवरी 2019 के 17 महीने की अवधि में संगठन से जुड़ने वाले नए अंशधारकों अथवा नए रोजगार सृजन की संख्या को पहले के 76.48 लाख से कम करके 72.24 लाख किया गया है। ईपीएफओ विभिन्न कंपनियों, संगठनों और फर्मों में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन से होने वाली भविष्य निधि कोष का प्रबंधन करता है। ऐसे में रोजगार में आने वाले नए कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते के आंकड़े उसके पास उपलब्ध होते हैं। ईपीएफओ ने कहा है कि उसकी ताजा रिपोर्ट में मार्च 2018 के आंकड़ों में सबसे ज्यादा संशोधन सामने आया है। इसमें 55,934 सदस्य ईपीएफओ की सदस्यता से बाहर हुए।

जेट एयरवेज की उड़ानें ठप होने से यात्रियों पर पड़ रही दोहरी मार

नई दिल्ली। जेट एयरवेज की उड़ानें बंद होने से मुसाफिरों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तो टिकट बुकिंग में यात्रियों का पैसा फंसा है और रिफंड नहीं मिला, दूसरा- अपनी यात्रा के लिए उन्हें अब दूसरी एयरलाइंस से कई गुना ऊंचे दामों पर टिकट खरीदना पड़ रहा है। मसलन, दिल्ली से लंदन का टिकट अगर किसी यात्री ने दो महीने पहले 66 हजार रुपए का लिया था, तो अब यही टिकट 1.20 लाख का है। जानकार बताते हैं कि जिस दिन उड़ानें बंद हुईं, उस समय तक जेट 3,500 करोड़ रुपए के टिकट बुक कर चुकी थी। इन यात्रियों को रिफंड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि सरकार तुरंत दखल दे, ताकि नियमों के तहत या तो मुसाफिरों को उनका पैसा मिले या फिर उन्हें दूसरी एयरलाइंस में यात्रा कराई जाए। अगर कंपनी फिर चल निकलती है तो यात्रियों को उनका पैसा मिल सकता है। बैंक कंपनी की संपत्ति बेचकर रेश्यो के आधार पर यात्रियों को रिफंड दे सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, जेट एयरवेज के कर्मचारियों ने अपनी सैलरी के बकाया और कंपनी को फौरी मदद देने के लिए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इन्होंने वित्त मंत्री अरुण जेटली से मिलकर भी मदद की गुहार लगाई है। जेट की उड़ानें ठप होने से इसके 20 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में हैं। सिविल एविएशन में राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने उम्मीद जताई है कि कंपनी के तमाम सक्षम और काबिल कर्मचारियों को जल्द नौकरी मिल जाएगी।

रुम में बंधक बनाकर मारने के साथ मोबाईल की लूट,और धमकी

सूरत। रविवार को सूरत शहर विस्तार के पूणा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के मकान नं. 32 के ग्राउंड फ्लोर में रुम नं. 2, साईनगर सोसाइटी पुणा गाम अर्चना स्कुल के पास सिर्वी स्कूल की गली में आरोपियों ऋत्विक उर्फ टाइगर इत्यादि 4 ने मिलकर गजेन्द्र उर्फ विष्णु गिरिराज राठौड़ को बंधक बनाकर मारा तथा मोबाइल फोन छीनकर यह धमकी दी कि यदि किसी को बताया तो जिन्दा नहीं छोडुंगा।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुणा पुलिस स्टेशन निस्तार स्थित स ई नगर सोसाईटी के रुम नं. 2 में तारीख 20-04-2019 को दोपहर 3.00 बजे से साय साढे चार बजे तक फरियादी राजेन्द्र उर्फ विष्णु गिरिराज राठोड़ को 4 आरोपियों ऋत्विक उर्फ टाइगर निवासी कृष्णा सोसाइटी पुणा गाम सूरत नानों भरवाड़, सुरेन्द्र जेना विपुल जेना नामक आरोपियों के नाम पते मालूम नहीं है ने बंधक बनाकर मार मारी गालियां दी तता सुरेन्द्र एवं विपुल ने पकड़ के रखा और नाना भरवाड ने रुम में रखे चाकु से फरियादी के बाये हाथ की पहली और छोटी (आखिरी) उंगली पर छाव किया। ऋत्विक उर्फ टाइगर ने अपने हाथ में पहने लोहे के कड़े से सिर में मारकर वीवो कंपनी का वी 11 प्रो. माडल का लगभग 15,000 रुपये का मोबाइल छीन लिया और यह कहते हुए भाग गये कि अगर यह बात किसी को बताई तो तुम्हे जिन्दा नहीं छोडुंगा।

वहां से छुटने के बाद गजेन्द्र उर्फ विष्णु गिरिराज राठोड़ ने ता. 21-04-2019 को अपहरन 3.30 बजे पुणा पुलिस स्टेशन जाकर रिपोर्ट करायी पुलिस ने इ.पी.को. की कलम 392,394,342,506(2) और 114 के साथ जी.पी.एक्ट की कलम 135 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस इंस्पेक्टर एम.वी. किकाणी मामले की जांच कर रहे है।

रेल संघर्ष समिति एकता मंच एवं कोली समाज की संयुक्त पत्रकार परिषद सम्पन्न

सूरत। अखिल भारतीय कोली समाज (रजि.) नई दिल्ली के गुजरात अध्यक्ष चन्द्रवदन पीठावाला कोली समाज के उत्थान हेतु समाजिक कानूनी हक्क एक समाज के अन्तिम छोर के सदस्य के विकास हेतु चिंन्तित हो कोली समाज के नवसारी बैठक के उम्मीदवार धर्मेश भाई पटेल को जिताने मतो की मांग करने के लिए उत्तरभारतीय रेल संघर्ष समिति के अग्रणियों से सम्पर्क कर प्रार्थना की थी इसके लिए आयोजित मीटिंग में विस्तृत चर्चा के बाद मालूम हुआ कि

आज की सरकार एवं जल्दी ही चुने गए सदस्यों द्वारा जितना अन्याय कोली समाज के साथ हुआ है उतना ही उत्तर भारतीय समाज के लोगों के साथ भी हुआ है। अन्याय पीडित दोनों समाजों को उनके कानूनी हक्कों से बंचित रखा गया है।

अत्यन्त गंभीर एवं दर्दनाक प्रश्न जो आज तक नहीं हल हो सका वह उत्तर भारतीयों के सुविधा जनक आवागमन हेतु ट्रेनों का है। लाखों की संख्या में उत्तर भारतीय सूरत में रहकर उद्योगों को विकसित करने में सहयोग दे रहे है। औद्योगिक विकास के इस पथ के सहयोगी इन उत्तर भारतीयो के आवागमन हेतु सुविधा जनक गाड़ियों की व्यवस्था नहीं है। भरुच या फिर वापी में रहने वाले उत्तर भारतीयों को जबकी अपने पैत्रिक गांव जाना होता है या आना होता है तो रात्रिवास सूरत स्टेशन के प्लेट फार्म पर करना पड़ता है इसके लिए किये गए उत्तर भारतीय रेल संघर्ष समिति के आन्दोलन पर लाठिया वर्षाकर दवाने की कोशिस की गई। इन उत्तर भारतीयों की इस समस्या के प्रति कोली समाज जागरुक है तथा इनके साथ है। इसलिए इस बार कोली समाज के उम्मीदवार कांग्रेस का प्रत्याशी धर्मेश भाई पटेल को जिताने में उत्तर भारतीय समाज एवं कोली पटेल समाज एक साथ है और अपने लोकप्रिय उम्मीदवार धर्मेश भाई को विजयी बनाये जो आने वाले समय में इन समस्याओं के उचित निदान के साथ ही उत्तर भारतीय समाज को भी सहयोग करेंगे और रेलों की समस्याओं के प्रति सहयोग करेंगे।

सचिन, उधना, लिम्बायत विधानसभा क्षेत्र में सी.आर. पाटिल ने आज जनसम्पर्क किया

सूरत। 25 नवसारी सूरत लोकसभा संसदीय सीट के प्रत्याशी सी.आर. पाटिल आज अंतिम दिन जन सम्पर्क किया। सचिन विधनसभा क्षेत्र में आयोजित इस जन सम्पर्क अभियान में लोगो ने अभूतपुर्व प्रतिसाद दिया है। उधना विधान सभा में लोगों ने स`गठित नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टि सरकार को बहुमत से विजय दिलाने का विश्वास में लोगों ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार के सामने विकास की बात एवं विकास को महत्व दिया था इन्होंने चोर्यासी विधान सभा में भी जन सम्पर्क किया था जिसका अच्छा प्रतिसाद था। आज अंतिम दिन चुनाव प्रचार का कार्य पुर्ण हो गया अब 23 अप्रैल को मतदान होने से 48 घंटे पूर्ण जोशीले चुनाव प्रचार बन्द हो गये अब लोकसम्पर्क शान्तिपूर्ण ठंग से जारी रहेगा।

कामरेज के मांकणा गाम के नाले में जुआ खेलते 13 जुआरी पकड़े गए

सूरत। रविवार को कामरेज तालुके के कामरेज मांकणा गाम के गरनाले के पास गोलकुडालु वाली तीन पत्ते की जुआ खेलते 13 जुआरियों को पुलिस ने धर दबोचा, इसके साथ ही मोटर साइकल, नकद रकम, मोबाइल फोन मिलाकर कुल 1.64 लाख की मुद्दा माल जब्त किया है। पुलिस सूत्रों की सुचनानुसार कामरेज में माकणा गाम के गरनाला के पास गोलकुडंलू वाली तीन पत्ती का जुआ सानेश्वर पाटिल, सूरज नाथ साहु, हुसेन पठाण, भटुभाई पाटिल, भान साहेब पाटिल, चेतन भाई भोय रवीन्द्र मराठा, भरत भाई भरवाड, नवीन चौहान, भरत सिसोदिया, भंगाभाई राठोड़ इत्यादि जुआ खेल रहे थे। कामरेज पुलिस ने मिली सूचना के आधार पर छापा मार रोकड रकम 29,360 4 नग मोटर साइकल, मोबाइल फोन कुल मिलाकर कुल 1.64 लाख का मुद्दा माल कब्जा किया है तथा तमाम जुआरियों की गिरफ्तारी कर पुलिस स्टेशन लाये जहां पर इन सबकों जमानत पर मुक्त कर दिया गया है।

सिक्युरिटी सर्विस कम्पनी के बैंक खाते से 2,00,000 रु. की रकम गायब

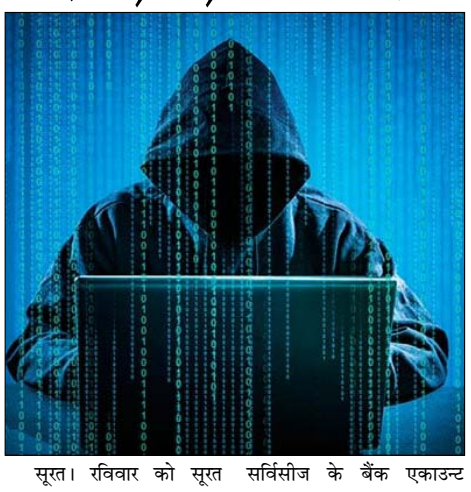

सूरत। रविवार को सूरत शहर के उमरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एस.वी.एन.आई.टी. कालेज कैम्पस स्थित एस.वी.आई. बैंक के जयभगवान सिक्युरिटी सर्विसीज के बैंक एकाउन्ट से किसी अज्ञात व्यक्ति ने दो लाख रुपये आन लाइन ट्रांसफर कर निकल फरार हो गया। इस आशय की फरियाद उमरा पुलिस स्टेशन में दाखिल करने पर पुलिस ने आी.टी.एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी मूल उत्तर प्रदेश के रहीश एवं खटोदरा चौसष्ठ जोगणी माता के मन्दिर के पास प्रेसीडेन्ट मोटर्स के उपर जय भगवान सिक्यरिटी सर्विस का आफिस है। उनका बैंक एकाउन्ट एस.वी.एन.आई.टी. कालेज कैम्पस स्थित एस.बी.आई.बैंक में है। दिसम्बर 2018 से आज दिन तक उनके बैंक एकाउन्ट से 2,00,000 दो लाख आन लाइन ट्रांजेक्शन कर निकाल कर फरार हो गया है। उमरा पुलिस आी.एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है।

पलसाणा के मलेकपोर गाम में कार से दारू की 84 बोतले वरामद

सूरत। रविवार को सूरत जिले के पलसाणा तालुके मलेकपोर गाम से गुजर रही एक कार से पुलिस ने 84 नगविदेशी दारू का जत्था जब्त कर`क बुटलेगर की गिरफ्तारी की है जबकि एक बुटलेगर को पुलिस रिकार्ड में वान्टेड जाहेर किया है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त विगतानुसार पलसाणा तालुके के मलेकपोर गाम के भवाई फलिया स्थित जीतुभाई भगुभाई राठोड़ रहते है। पिछले दिनों जीतुभाई राठौड़ नामक बुटलेगर अपनी सफेद कार में विना पास परमिट के 84 नग विदेशी दारू की बोटले जिनकी कीमत 42 हजार रुपए की लेकर गुजर रहा था। पुलिस ने वहान चेकिंग के दौरान कार रोकी और जांच के दौरान दारू के जत्थे को कब्जा कर बुटलेगर कार चालक जीतु राठौड़ की गिरफ्तारी की। जबकि नवसारी से इस विदेशी दारू का जत्था भेजने वाला छोटू मारवाड़ी पुलिस के रिकार्ड में वान्टेड बनाया गया पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध प्रोहिबिशन एक्ट का अपराध दर्ज कर तपास शुरु की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**